बारिश से मृगन्नाथ धाम का झरना हुआ जीवंत, उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

खास बातें

- करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरती दूधिया धार बनी आकर्षण का केंद्र
- आसपास के जिलों से पहुंचे पर्यटक

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़ 9 अगस्त, हैदरगढ़ क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध मृगन्नाथ धाम का प्राकृतिक झरना अच्छी बारिश के बाद रविवार को पूरे वेग से बह उठा. करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरती झरने की दूधिया धार और आसपास की हरी-भरी पहाड़ियों का मनमोहक दृश्य पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना रहा. रविवार को मौसम सुहाना होने के कारण विदिशा जिले के अलावा आसपास के अन्य जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग परिवार के साथ मृगन्नाथ धाम पहुंचे.

बारिश के बाद मृगन्नाथ धाम की पहाड़ियों और आसपास के जंगलों में हरियाली छा गई है. इसी प्राकृतिक वातावरण के बीच चट्टानों से तेज गति से नीचे गिरता झरना लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है. झरने को देखने पहुंचे पर्यटकों ने प्राकृतिक सौंदर्य का जमकर आनंद लिया. कई लोगों ने झरने के पास खड़े होकर मोबाइल कैमरों से फोटो और वीडियो बनाए तथा इन यादगार पलों को अपने परिवार और दोस्तों के साथ साझा किया.

रविवार को सुबह से ही मृगन्नाथ धाम की ओर पर्यटकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था. दोपहर तक यहां बड़ी संख्या में लोग नजर आए. परिवारों के साथ युवा और बच्चों ने भी झरने और पहाड़ियों के प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया. बारिश के कारण मौसम में ठंडक होने से पर्यटकों को यहां का वातावरण खासा पसंद आया.स्थानीय लोगों के अनुसार मृगन्नाथ धाम का झरना बारिश के मौसम में अपने पूरे शबाब पर आता है. अच्छी बारिश होने पर पहाड़ी से बहने वाला पानी तेज धार का रूप ले लेता है और करीब 100 फीट की ऊंचाई से गिरने वाला झरना बेहद आकर्षक नजर आता है. यही कारण है कि हर साल बारिश के मौसम में आसपास के क्षेत्रों से लोग यहां प्राकृतिक सौंदर्य देखने पहुंचते हैं.

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की संभावना

मृगन्नाथ धाम में प्राकृतिक सौंदर्य के साथ झरना और हरी-भरी पहाड़ियां पर्यटकों के लिए खास आकर्षण हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा यहां पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए बेहतर इंतजाम किए जाएं तो मृगन्नाथ धाम को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सकता है.पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां सुरक्षित आवागमन, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता और आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही है. खासकर बारिश के दौरान झरने के आसपास फिसलन और तेज बहाव को देखते हुए सुरक्षा इंतजाम जरूरी हैं.प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर मृगन्नाथ धाम आने वाले दिनों में क्षेत्र के पर्यटन को नई पहचान दे सकता है. अच्छी बारिश के बाद रविवार को उमड़ी भीड़ ने यह संकेत दिया है कि यदि इस क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से विकसित किया जाए तो यह स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकता है.

नदी-नाले उफान पर, जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे लोग

- तेज बारिश से बढ़ा जलस्तर, प्रशासन की चेतावनी के बावजूद नहीं मान रहे लोग

पठारी लंबे इंतजार के बाद क्षेत्र में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है. शनिवार से लगातार हो रही बारिश के चलते पठारी क्षेत्र के नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है और कई नदी-नाले उफान पर आ गए हैं. ऐसे में लोगों द्वारा जान जोखिम में डालकर तेज बहाव वाले पुलों को पार करने के मामले सामने आ रहे हैं.कांकलखेड़ी-बगरू नदी के पुल पर पानी पहुंच गया है. वहीं पठारी-छपारा मार्ग पर रेहटी नदी के पुल पर भी पानी बह रहा है. इसके बावजूद लोग अपने वाहनों और पैदल पुल पार करते नजर आ रहे हैं. लगातार बारिश के कारण नदी का बहाव बढ़ता जा रहा है, जिससे किसी भी समय स्थिति गंभीर हो सकती है.

चंद मिनट बचाने के लिए जोखिम

बारिश के मौसम में नदी-नालों का जलस्तर अचानक बढ़ना कोई नई बात नहीं है. तेज बहाव के बीच पुल या रपटे को पार करना कई बार जानलेवा साबित हो चुका है. पानी की गहराई और बहाव का अंदाजा ऊपर से लगाना मुश्किल होता है और अचानक बढ़ा पानी वाहन या व्यक्ति को अपने साथ बहा सकता है.इसके बावजूद कुछ लोग चंद मिनट बचाने के लिए तेज बहाव के बीच नदी पार करने का जोखिम उठा रहे हैं. स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा लगातार सावधानी बरतने की अपील की जाती है, लेकिन इसके बावजूद लोग चेतावनी को नजरअंदाज कर रहे हैं.

क्षेत्र में लगातार बारिश को देखते हुए नदी-नालों के आसपास विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है. लोगों को जलस्तर बढ़ने की स्थिति में पुल, रपटे या नदी पार करने से बचना चाहिए. प्रशासन की ओर से भी ऐसे स्थानों पर निगरानी और आवश्यक सुरक्षा इंतजाम किए जाने की जरूरत है, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके.बारिश के दौरान नदी-नालों में पानी का बहाव कभी भी अचानक तेज हो सकता है. ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ सकती है. लोगों से अपील है कि वे सुरक्षित स्थान पर रुकें और पानी कम होने का इंतजार करें.

एक नजर में

पुण्य स्मृति और स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना के साथ लगाए पांच पौधे

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, साप्ताहिक पौधारोपण अभियान 5.0 के तहत रविवार को लटुरिया वाले बाग, अग्रवाल धर्मशाला एवं मां कर्मा देवी चौराहा के समीप पांच छायादार पौधों का रोपण किया गया. स्वर्गीय राम नारायण अग्रवाल, स्वर्गीय धन्नालाल अग्रवाल एवं स्वर्गीय राधिका अग्रवाल की पुण्य स्मृति में तीन तथा संतोष ठाकुर के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना से दो पौधे लगाए गए.पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाए गए. इनके संरक्षण की जिम्मेदारी अग्रवाल धर्मशाला के संरक्षकों ने स्वीकार की. श्रमदान दल द्वारा पूर्व में लगाए गए 18 पौधों में से 16 सुरक्षित एवं विकसित हो रहे हैं. दल ने नागरिकों से जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्य स्मृति एवं स्वास्थ्य लाभ जैसे अवसरों को पौधारोपण से जोड़ने की अपील की. उन्होंने कहा कि पौधारोपण की वास्तविक सफलता पौधे के संरक्षण में है.

सब्जी खेती एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन

नवभारत न्यूज

विदिशा, ग्रामीण युवाओं एवं हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आरसेटी द्वारा आयोजित सब्जी खेती एवं नर्सरी प्रबंधन प्रशिक्षण का शनिवार को समापन हुआ. प्रशिक्षण में महिला एवं पुरुष हितग्राहियों को सब्जी उत्पादन, नर्सरी प्रबंधन, पौध तैयार करने, रोपण एवं देखभाल सहित उन्नत कृषि तकनीकों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया. कलेक्टर अंशुल गुप्ता एवं जिला पंचायत सीईओ ओ.पी. सनोठिया के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में आरसेटी डायरेक्टर एफ.सी. महली ने प्रशिक्षणार्थियों का एसेसमेंट किया तथा सफल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए. उन्होंने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग स्वरोजगार एवं कृषि गतिविधियों में करने के लिए प्रेरित किया.

युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर किया ध्वज वंदन

ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में युवा कार्यकर्ताओं ने की सहभागिता

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया. वरिष्ठ नेता राजेश माहेश्वरी एवं जगदीश सुहाने की उपस्थिति में युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष आकाश शर्मा ने ध्वज वंदन किया. इसके बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रगान का गायन किया.कार्यक्रम में युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष अमित सिंह, नगर अध्यक्ष रविंद्र प्रताप नागौरी, सत्यम बाजपेयी, राजवर्धन सिंह, ओम रघुवंशी, प्रिंस मिश्रा, राज रघुवंशी, पवन अहिरवार, अक्षय रघुवंशी, अमित रघुवंशी, पुष्पेंद्र गुर्जर, अभिषेक तिवारी सहित बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे.

भगवानदास साहू बने प्रदेश साहू समाज के अध्यक्ष

- भोपाल में आयोजित सम्मेलन में निर्विरोध हुआ चयन
- गंजबासौदा पहुंचने पर समाजजनों ने किया स्वागत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, मध्यप्रदेश साहू समाज का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन भोपाल में आयोजित किया गया. सम्मेलन में गंजबासौदा के समाजसेवी भगवानदास साहू को सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष घोषित किया गया.

भगवानदास साहू के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर प्रदेशभर से आए साहू समाज के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत कर बधाई दी. इस अवसर पर समाज की एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर भी चर्चा की गई.प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद भगवानदास साहू के गंजबासौदा आगमन पर साहू समाज संगठन द्वारा स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया. समाजजनों ने उनका पुष्पमालाओं से स्वागत कर नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं.

स्मार्ट मीटर फटने से मची दहशत

- नवीन न्यायालय भवन में अचानक लगी आग
- विद्युत विभाग ने शुरू की जांच

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, नवीन न्यायालय भवन में स्मार्ट मीटर में अचानक आग लगने के बाद मीटर फट गया. घटना के समय न्यायालय परिसर में कर्मचारी और वकील मौजूद थे, जिससे कुछ समय के लिए दहशत का माहौल बन गया.

बताया गया कि स्मार्ट मीटर में अचानक आग लगी और देखते ही देखते मीटर फट गया. घटना के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है.स्मार्ट मीटर को लेकर पहले भी उपभोक्ताओं की ओर से विभिन्न शिकायतें सामने आती रही हैं. न्यायालय भवन में हुई इस घटना के बाद स्मार्ट मीटरों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. लोगों का कहना है कि विद्युत कंपनी को स्मार्ट मीटरों की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो और किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका को टाला जा सके.

मूड़रीधाम से उदयपुर तक गूंजेगा हर-हर महादेव, आज निकलेंगे कांवड़िए

- सावन सोमवार पर नीलकंठेश्वर महादेव का होगा जलाभिषेक, शिवभक्तों में उत्साह

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, सावन के दूसरे सोमवार को मूड़रीधाम से उदयपुर स्थित प्राचीन नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर तक कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी. सुबह 9 बजे शुरू होने वाली इस यात्रा में शिवभक्त पैदल कांवड़ लेकर उदयपुर पहुंचेंगे और भगवान महादेव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना करेंगे. यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से मार्ग शिवमय होगा.

मूड़रीधाम के महंत परशुराम दास जी महाराज ने बताया कि सावन सोमवार के विशेष अवसर पर आयोजित कांवड़ यात्रा को लेकर क्षेत्र के शिवभक्तों में खासा उत्साह है. कांवड़िए भगवान शिव की भक्ति में मूड़री से उदयपुर तक पैदल यात्रा करेंगे.उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल कंधे पर जल लेकर चलने की परंपरा नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म को भगवान शिव के चरणों में समर्पित करने की साधना है. यात्रा के दौरान आने वाली कठिनाइयों को श्रद्धा और संकल्प के साथ पार कर शिवधाम पहुंचना ही भक्ति की वास्तविक परीक्षा है.महंत ने कहा कि भगवान शिव त्याग, तपस्या और करुणा के प्रतीक हैं. कांवड़ यात्रा हमें जीवन में संयम, सेवा, सद्भाव और परोपकार अपनाने की प्रेरणा देती है. सावन सोमवार के अवसर पर नीलकंठेश्वर महादेव के जलाभिषेक के साथ यात्रा का समापन होगा.उन्होंने क्षेत्र के श्रद्धालुओं, ग्रामवासियों एवं शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में कांवड़ यात्रा में शामिल होने का आग्रह किया. साथ ही यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और आपसी भाईचारे के साथ शिवभक्ति में आगे बढ़ने की अपील की.

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्रवाई, 70 लीटर घी के विक्रय पर रोक

नवभारत न्यूज

विदिशा, 9 अगस्त. खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर दूध एवं दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता जांच के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने अरिहंत विहार स्थित सूरज एंड संस प्रतिष्ठान पर कार्रवाई की. कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने यहां गोवर्धन ब्रांड घी के विभिन्न पैकिंग आकारों के तीन नमूने जांच के लिए लिए. साथ ही करीब 70 लीटर घी, जिसकी अनुमानित कीमत 56,696 रुपए है, की जांच पूरी होने तक विक्रय पर रोक लगाई गई. नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं. रिपोर्ट के आधार पर आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

तिरंगा यात्रा के लिए किया जनसंपर्क

नवभारत न्यूज

सिरोंज, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर नगर में तैयारियां तेज हो गई हैं. रविवार को नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, जनप्रतिनिधियों एवं नपा के अधिकारी, कर्मचारियों ने बारिश के बीच बस स्टैंड क्षेत्र में जनसंपर्क कर नागरिकों को यात्रा में शामिल होने का आमंत्रण दिया.

नवीन बस स्टैंड पर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अपील की कि वे तिरंगा यात्रा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं. इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता पर्व एवं वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 9 अगस्त से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा. साथ ही मंगलवार को शाम 4 बजे संदीपनी विद्यालय से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सुभाष नगर मंडी पथ के रास्ते बस स्टैंड पर समाप्त होगी. उन्होंने बताया कि यात्रा में जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल होंगे. इस दौरान नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू, मनीष कुमार सहित नगर पालिका का अमला मौजूद रहा.

श्रावण सोमवार स्पेशल एक कक्ष में 3 शिवलिंग, दालान में 1, परिसर में 8 शिवलिंग विराजमान, केथन नदी किनारे सदियों पुराना कार्तिक घाट मंदिर

एक ही मंदिर में द्वादश शिवलिंग के दर्शन

- बर्बादी के कगार पर प्राचीन कार्तिक घाट

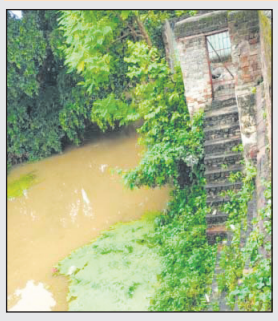

नवभारत न्यूज

सिरोंज, श्रावण सोमवार के पावन अवसर पर जहां एक ओर भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है, वहीं सिरोंज के मत्थापुर क्षेत्र में स्थित प्राचीन कार्तिक घाट मंदिर अपनी अनूठी पहचान के कारण श्रद्धालुओं के लिए खास आकर्षण का केंद्र है. यहां एक ही परिसर में भगवान महादेव के द्वादश शिवलिंग विराजमान हैं, जिन्हें श्रद्धालु 12 ज्योतिर्लिंग का प्रतीक मानकर पूजा-अर्चना करते हैं. लेकिन इसके पास केथन नदी किनारे स्थित प्राचीन कार्तिक घाट बदहाली और गंदगी से जूझ रहा है.

सिरोंज की ऐतिहासिक केथन नदी के किनारे स्थित यह मंदिर क्षेत्र की प्राचीन धार्मिक विरासत का जीवंत उदाहरण है. सदियों पुराने इस मंदिर में श्रावण मास, श्रावण सोमवार, महाशिवरात्रि और कार्तिक मास जैसे अवसरों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. भक्त यहां द्वादश शिवलिंग का अभिषेक कर पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं. मंदिर परिसर में हनुमान जी और मंदिर के समीप ही जगतजननी माता के मंदिर भी स्थित हैं, जिससे यह स्थल एक धार्मिक केंद्र बन जाता है. मंदिर के पुजारी रमेश गोस्वामी बताते हैं कि मंदिर की प्राचीनता का सटीक आंकलन संभव नहीं है, लेकिन यह सदियों पुराना है. पहले कार्तिक मास में यहां बड़े धार्मिक आयोजन और स्नान का विशेष महत्व था. आज भी यहां व्यापक विकास और संरक्षण की जरूरत बनी हुई है, हालांकि कुछ वर्षों में मंदिर में सीमित निर्माण कार्य जरूर हुए हैं. इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां एक ही परिसर में 12 शिवलिंग स्थापित हैं और सभी की ऊंचाई अलग-अलग है. मंदिर के एक कक्ष में तीन शिवलिंग स्थापित हैं, जबकि उसी कक्ष के बाहर दालान में एक शिवलिंग विराजमान है. इसके अलावा मंदिर प्रांगण में आठ अन्य शिवलिंग स्थापित हैं, जिससे पूरा परिसर शिवमय वातावरण से ओतप्रोत नजर आता है. इनमें से चार शिवलिंग की ऊंचाई करीब 2 से 2.5 फीट तक है, जबकि अन्य शिवलिंग इससे भिन्न ऊंचाई के हैं. स्थानीय श्रद्धालु इन द्वादश शिवलिंगों को भगवान महादेव के द्वादश ज्योतिर्लिंग का प्रतीक मानते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हैं.

केथन नदी का प्राचीन कार्तिक घाट बदहाली का शिकार

कार्तिक घाट मंदिर के पास ही स्थित केथन नदी का प्राचीन कार्तिक घाट आज बदहाली की मार झेल रहा है. कभी धार्मिक आस्था और दैनिक जीवन का अहम केंद्र रहा यह घाट अब गंदगी और पानी की कमी के कारण अपनी पहचान खोता नजर आ रहा है. सिरोंज की ऐतिहासिक केथन नदी पर बना यह कार्तिक घाट वर्षों पुराना है. मंदिर के पुजारी रमेश गोस्वामी बताते हैं कि पहले इस घाट पर बड़ी संख्या में लोग स्नान, पूजा-अर्चना और दैनिक कार्यों के लिए पहुंचते थे. लेकिन समय के साथ नदी की दुर्दशा बढ़ती गई और पानी की कमी ने हालात और बिगाड़ दिए. वर्तमान में स्थिति यह है कि साल के अधिकांश समय घाट पर गंदा और ठहरा हुआ पानी रहता है, जिससे लोगों ने यहां आना लगभग बंद कर दिया है. मंदिर से घाट तक पहुंचने के लिए बनी सीढ़ियां भी जर्जर हो चुकी हैं और घाट का कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है. रखरखाव और जीर्णोद्धार के अभाव में पूरे घाट पर गंदगी का अंबार नजर आता है. स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि इस प्राचीन और ऐतिहासिक कार्तिक घाट का जल्द से जल्द जीर्णोद्धार कराया जावे.

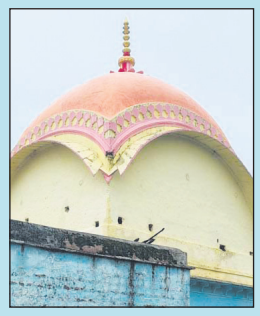

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच 12 से 15 अगस्त तक चलाएगा हर घर तिरंगा अभियान

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा अगस्त माह में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. संगठन के राष्ट्रीय कार्यकर्ताओं की ऑनलाइन बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य तथा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार ने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया.

बैठक की जानकारी देते हुए गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने बताया कि डॉ. इंद्रेश कुमार इन दिनों जम्मू-कश्मीर प्रवास पर हैं. व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद उन्होंने देशभर के कार्यकर्ताओं को अगस्त माह में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में मार्गदर्शन दिया.उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में शहीदों को याद करते हुए वृक्षारोपण किया जाएगा. इसके बाद 12 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा. इस दौरान घरों, गलियों, मोहल्लों, स्कूलों, मदरसों एवं पार्कों में तिरंगा फहराने के साथ तिरंगा यात्राएं निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया जाएगा.25 से 31 अगस्त तक भाई-बहन दिवस के तहत रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों द्वारा भाइयों को राखी बांधने के साथ वृक्षों को भी राखी बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया जाएगा. संगठन द्वारा पूरे अगस्त माह को वृक्षारोपण एवं तुलसी वितरण अभियान के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है. इस दौरान विशेष रूप से तुलसी एवं नीम के पौधों का वितरण किया जाएगा.डॉ. इंद्रेश कुमार ने कार्यकर्ताओं से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं, बल्कि समाज में अमन, भाईचारे, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का संदेश पहुंचाना है.ऑनलाइन बैठक में मोहम्मद अफजाल, डॉ. शाहिद अख्तर, एसके मुद्दीन, इमरान चौधरी, गिरीश जुयाल, मोहम्मद फैज खान, अबू बकर नकवी, शालिनी अली, असरा अख्तर, दादू खान जोया, सैयद इरफान किचोली, हाफिज मोहम्मद सबरीन, मोहम्मद फारूख खान, सैयद सरवर अली, शकील अहमद खान सहित राष्ट्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे.

मौन सूचना

विकास पचौरी जी मौन साधना कर रहे हैं. इसलिए निःशुल्क शव वाहन हेतु कृपया फोन न करें बल्कि शेरपुरा विदिशा स्थित विकास पचौरी रेडियो स्टेशन आकर जानकारी देने की कृपा करें.

ब्लड की जरूरत होने पर www.vikaspachori.in वेबसाइट पर रक्तदाताओं की लिस्ट देखने का कष्ट करें.

मोबाइल के प्ले स्टोर पर टाइप कीजिए VIKAS PACHORI RADIO

विकास पचौरी रेडियो 84 35 250 250

और फिर 24 घंटे आनंद लीजिए